उत्तर प्रदेश सरकार आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान वनाग्नि को रोकने के लिये अलर्ट है

चर्चा में क्यों ?

आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान **वनाग्नि को रोकने के लिये** एक सक्रिय उपाय में, **उत्तर प्रदेश सरकार रणनीतिक पहलों की एक शृंखला लागू कर रही है।**

- सरकार पहले से ही हाई अलर्ट पर है और आग से बचाव के उपायों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिये राज्य भर **में फरवरी से 7 फरवरी तक 'वन अग्नि सुरक्षा सप्ताह' चला रही है।**

मुख्य बिंदु:

- निगरानी और नियंत्रण प्रयासों को मज़बूत करने के लिये, **लखनऊ में विभाग प्रमुख एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक के कार्यालयों में एक समर्पित अग्नि नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।**
  - **मुख्य वन संरक्षक (प्रचार)** को राज्य मुख्यालय सेल के लिये नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जो सरकार को अधीनस्थ कार्यालयों से प्राप्त वनाग्नि की घटनाओं पर साप्ताहिक रिपोर्टिंग के लिये ज़िम्मेदार है।
  - संभागीय स्तर पर, सरकार ने चौबीसों घंटे संचालन सुनिश्चित करने के **लिये नियंत्रण कक्ष की स्थापना अनिवार्य कर दी है।**
  - तीन-शिफ्ट कर्मचारियों की तैनाती के साथ 24/7 संचालन करते हुए, ये नियंत्रण कक्ष विभिन्न श्रेणियों में जानकारी दर्ज करेंगे, जिससे घटना का पता चलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी।
    - वन संरक्षक (क्षेत्रीय) मुख्य वन संरक्षक को भी प्रासंगिक जानकारी देंगे।
- वनाग्नि की घटनाओं से संबंधित जानकारी के लिये हेल्पलाइन नंबर स्थापित किये गए हैं, सभी ज़िलों में अधिकारियों, आम जनता और अन्य विभागों के लिये **स्थानीय हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराए गए हैं।**
- **सरकार के निगरानी प्रयासों के सकारात्मक परिणाम** मिले हैं, **जिससे पिछले तीन वर्षों में वनाग्नि की घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-government-on-alert-to-check-forest-fires-during-upcoming-summer